

# सारिउँ कौइ औगौणिकेरी मैत





# सारिउँ कौइ औगौणिकेरी मौत

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book  
Red level book

प्रकाशण:-

NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें दुनियां की सबसे पहली मौत कैसे हुई, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



जौ परमेश्वरेइ माणूछ चाणौ। तैबै तिउँ  
रौ नौऊँ आदम औज़ि हवा थौ। आदम  
औज़ि हवा रे दुइ बेटा उवै कैन औज़ि  
हाबिल।



हाविल बेड़ बाकरिउँ चौरा थौ। औज़ि  
कैन डोखरौउँ दी काम कौरे थौ। एक  
दूस कैन औज़ि हाविलेइ परमेश्वर काइ  
बेट चौडाणेखि आणी।



कैनेह परमेश्वर काह आपडे नाज माझं  
कौइ थोडी बेंट आणी । औज़ि हाविलेह  
बी बेडु माझं कौइ बेंट चौडाह ।  
परमेश्वरेह हाविल री बेंट मानी ।



जौ परमेश्वरेऽ कैन रि बेंट ना मानी तैबै  
कैनेऽ रोश लागाौ। एज़ी बौज़े कौइ  
परमेश्वरेऽ कैन आरि बोलौ कि तू  
केला रोशुवौ? जौ तू बौलौ कारै थौ तै  
तेरी बेंट का ना मानियैं थी?



तेतबासियै कैनेइ आपडौ बाइ हाबिल  
डोखरेदि गिणौ। औज़ि तेत्के तिणी  
आपडौ बाइ पिटौ। औज़ि तिणी आपडौ  
बाइ हाबिल ज़ांगी देणौ।



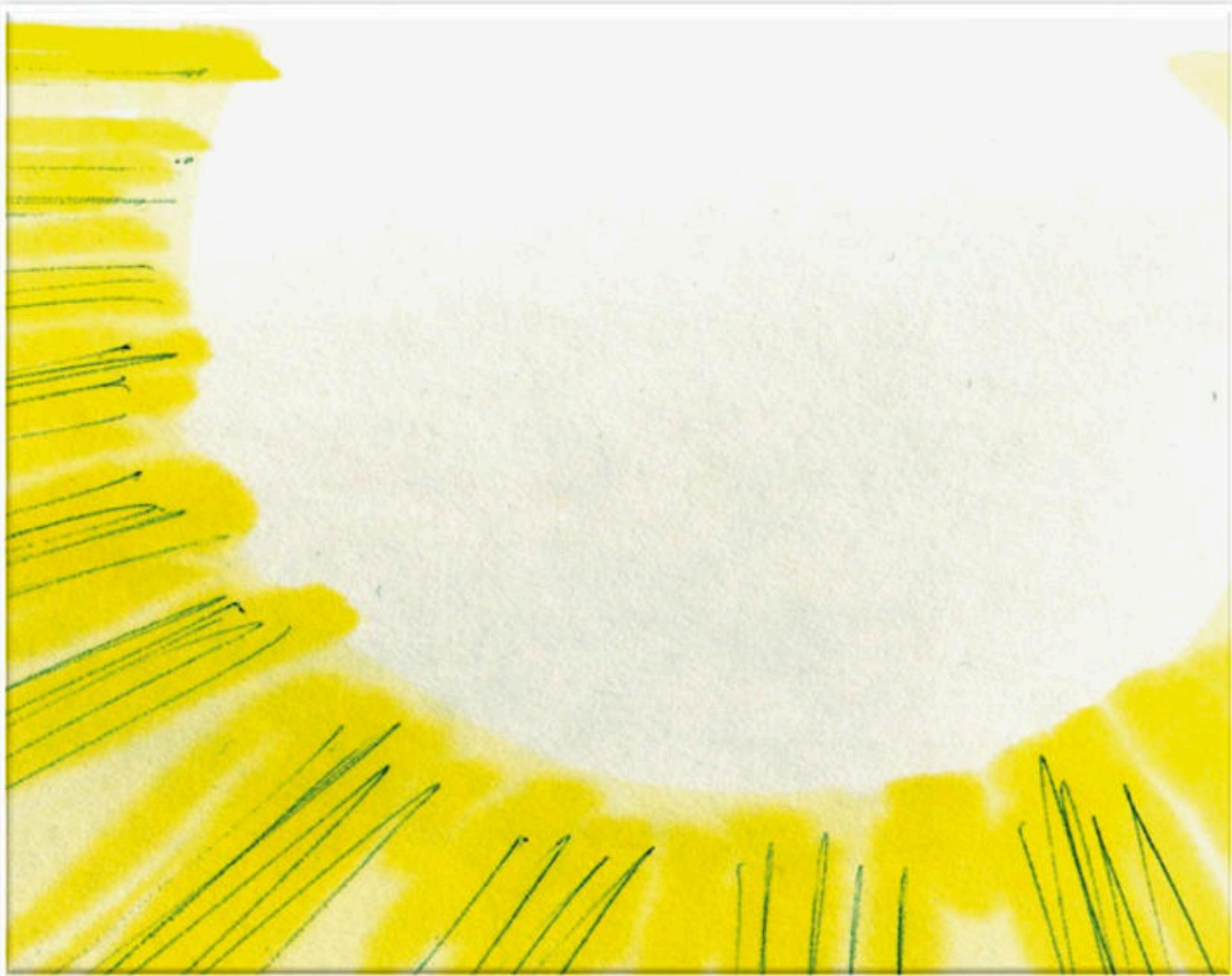
तैवै परमेश्वरेऽ कैन कौइ पुछ्हो, कि तेरौ  
बाइ हाबिल केटके? कैनेऽ बोलौ  
पैतौइ न नौथि आउँ का तेसरौ  
चोकिदार। तैवै परमेश्वरेऽ कैन आरि  
बोलौ, ताइं एज्जो का कियौ?



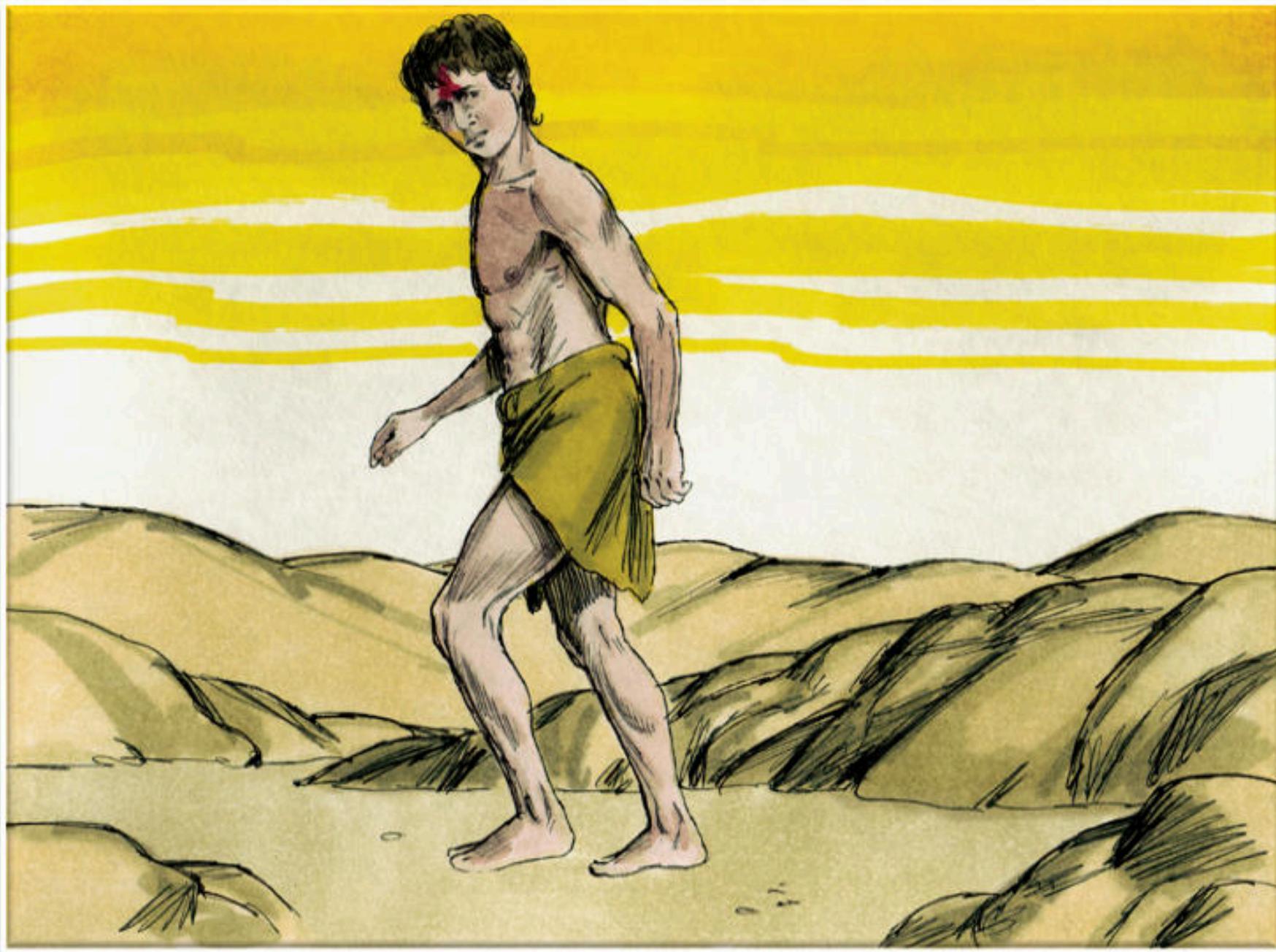
ਹਾਖਿਲ ਰੈ ਲੋ ਤੈ ਦੌਰਤਿ ਮਾਝਾਂ ਕੌਝ ਸੁੰਖਿਵ  
ਔਟਾਇ-ਨਦੈ ਲਾਗੈ-ਨਦੈ । ਦੌਰਤਿਏਝ ਤੇਰੈ ਬਾਝ  
ਰੈ ਲੋ ਪਿਣੇਖਿ ਆਪਡੈ ਸੁੰ ਖੋਲੈ-ਨਦੈ ।  
ਔਜ਼ਿ ਤੇਸਰੈ ਸ਼ਾਪ ਤਾਉਂਖਿ ਲਾਗੈ-ਨਦੈ ।



ਤੂ ਚਾਇਂ ਡੋਖਰੈ ਬੈਧੈ ਲੈ, ਤੈਖੈ ਕੀ ਪੁਰੀ  
ਫਸਲ ਨਾ ਮਿਲੈਲੀ। ਆਜ਼ਿ ਤੂ ਦੌਰਤਿ ਦਿ  
ਜਾਗਾ - ਜਾਗਾ ਦਿ ਬਾਗਦੁ ਰੈਧੈ ਲੈ। ਕੈਨੇਡ  
ਕੋਲੈ, ਆਤੁੰ ਏਝੀ ਸੌਜਾ ਨਾ ਸੌਇੰ  
ਸੌਕਦੈ।



तैवे कैनेइ बोलौ, आउँ तेरी नज़र कौइ  
दुर, औज़ि दौरति दि ज़ागा - ज़ागा दि  
बाग्दु रौउलौ। तैवे जुण्ड़ो बि मुकै मिलौ  
लौ सेउ मूँ पोरु ज़ांगै लौ।



ਪਰਮੇਵਰੇਵ ਕੋਲੈ, ਜੁਣਜ਼ੈ ਤਾਉਂ ਜਾਂਗੈ ਲੈ।

ਤੇਸਾਖਿ ਆਉਂ ਸਾਤ ਗੁਣਾ ਜਾਦਾ ਸੌਜ਼ਾ  
ਦੇਤ। ਤੈਖੈ ਤੇਸਕੈ ਏਕ ਨਿਸਾਣ ਦੇਣੈ, ਜੇਸ  
ਦੇਖਿਯੈ ਕੋਇ ਬਿ ਮਾਣੂਛ ਤੇਸ ਨਾ ਜਾਂਗੈ  
ਲੈ। ਏਸ਼ੇਥੈ ਕੌਇ ਦੁਨਿਆ ਦਿ ਪੈਹਲੀ ਮੌਤ  
ਤੁਝ।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.